दलमा

प्राकृतिक वनों की भूमि
हाथियों का स्वर्ग

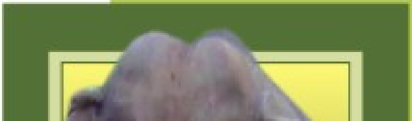

Dalma

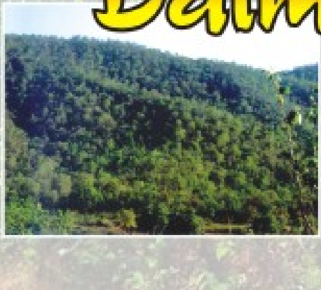

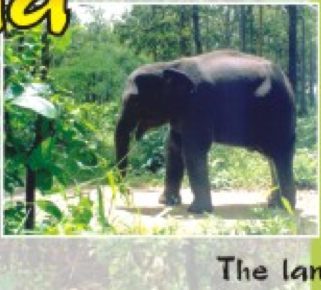

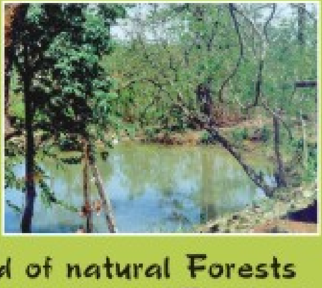

The land of natural Forests
Paradise for Indian Elephant

PRECAUTIONARY MEASURES TO BE TAKEN

Certains precautions should be kept in mind for visiting to the wildlife sanctuary.

Before :-

- Do not carry any inflammable thing with you.
- Do not carry any sound producing gadgets like radio, transistor or music system. These not only can scare the animals away but will also restrain you from hearing the melody of the jungle.
- Bright coloured, specially red and white coloured clothes and vehicles should be avoided.
- Torch, Binoculars and Cameras may be of help. So please ensure there are with you.

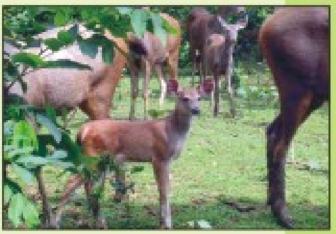

- If you want to enjoy the adventure of trekking, carry a backpack knife, water bottle, lemon, toffee, copy, pen etc.

Inside the sanctuary :-

- Expert trekkers are arranged by the Forest Department when you reach Pindrabera. These trekkers are helpful in the trip as they are familiar with Forest Rest House the terrian, animal and natural surroundings. Being familiar with the risk involved in a jungle they act as your saviours.

तो चलिये, शुरु करें यात्रा दलमा की...

पूरी तैयारी के साथ आप अपने बाहन से राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर आ जांय। जमशेदपुर से राँची की ओर चलते हुए लगभग 20 किलोमीटर पर हमें दाहिने हाथ की ओर रास्ते के किनारे दलमा आश्रयणी की मार्गदर्शन पट्टिका मिलेगी। दूसरी ओर से आने पर यह बांये हाथ पर होगी और जमशेदपुर का मील स्तम्भ वहां से जमशेदपुर 20 किलोमीटर दूर बताता हुआ मिलेगा। आश्रयणी पट्टिका के पास से ही एक पतला रास्ता कटता हुआ मिलेगा। इसपर मुड़ जाना है। लगभग 3 किलोमीटर तक इस पतली सड़क पर गांव और जंगल के मिश्रित दृश्य देखते हुए आप शहरबेड़ा नाका पहुँचेंगे। यह दलमा आश्रयणी का प्रवेश द्वार है। यहाँ रुककर नाका गार्ड को आवश्यक सूचना और जानकारी देने के बाद हम सामने के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

अब जंगल आरम्भ हो जायेगा। एक ओर कुछ मैदानी सा भाग और दूसरी ओर खड़ी पहाड़ियों का हरा-भरा दृश्य। इसपर से आगे बढ़ते हुए पहाड़ी पर ऊपर चढ़ते जायेंगे। छोटे पुल, घुमावदार रास्ते, झींगुरों का तेज शोर और पक्षियों का कलरव- यह सब देखते सुनते हुए हम कब दोनों ओर से ऊँची पहाड़ियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। अब खड़ी चढ़ाई मिलने लगेगी और सम्भव है कुछ जंगली जीवों के दर्शन भी हो जांय।

लगभग 14 किलोमीटर तक लगातार ऊपर ही ऊपर चढ़ते चले जाने के बाद आप शीर्ष पर पहुँच जायेंगे। फिर लगभग 1 किलोमीटर शीर्ष की समतल दूरी तय करने के बाद हमें पिण्ड्राबेड़ा वन विश्रामागार मिलेगा। यही हमारा पहला पड़ाव होगा। यहीं आपको हर प्रकार की जानकारी और सुविधा मिल सकेगी। यदि आपने यहीं आरक्षण कराया हो, तो यहीं आपका पड़ाव भी होगा।

LET US START THE JOURNEY TO DALMA...

With full preparation one can start our journey from the National Highway. After traveling a distance of about 20 Km from city of Jamshedpur towards Ranchi from Jamshedpur we will get a sign board of Dalma Wildlife Sanctuary on the right hand side of the road. If you are coming from opposite direction i.e. from Ranchi towards Jamshedpur, this sign board will be on the left. A narrow road will be seen which is the way to over destination. Traveling for about 3 Kms through beautiful jungles and villages you will reach Shaharbera check post. This is the gateway to Dalma Sanctuary. After furnishing the necessary details and receiving the important information we will move on.

Now the beautiful area of the sanctuary would begin. On one side there are some plain land and on the other tall mounting lush green hills. Small bridges, zig-zag roads, melodious sound of the bugs and birds will just take us to a dream world and you will find ourselves surrounded by hills. Some wild animals may be seen during the course of journey.

Going up for about 14 Km one can reach the Dalma top. For covering another km traveling about a Km of plain land there is Pindrabera Forest Rest House. This will be our first stoppage where you will get further information. If you have a reservation then this will be your resting point before the detail unit to the picturesque hill ranges of the sanctuary's forests.

बरती जानेवाली सावधानियाँ

दलमा अथवा अन्य किसी भी वन्य प्राणी आश्रयणी में जाने के पहले और पहुँचने पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरुरी है ।

पहले

- अपने साथ ज्वलनशील पदार्थ लेकर न जायें।
- रेडियो, ट्रांजिस्टर अथवा डेक आदि कृत्रिम ध्वनियाँ करनेवाली चीजें न ले जायें। ये आपको जंगल का संगीत सुनने नहीं देंगी और जंगली जीवों को भी आपसे दूर भगा देंगी।

- आंखों को चुभनेवाले रंग के कपड़े, वाहन आदि न ले जांए। विशेषकर लाल तथा सफेद रंग प्रयोग न करें।
- अपने साथ टार्च, दूरबीन एवं कैमरा जैसी सहायक सामग्री अवश्य रख लें।
- यदि पर्वतारोहण का आनन्द उठाना हो तो पीठ पर बंधने लायक थैला, छोटा चाकू, पानी का बोतल, नींबू, लॉजेन्स, छोटा तौलिया, नायलोन की रस्सी, कापी-पेन और प्रकृति के अध्ययन हेतु अपनी रुचि की चीजें रखें।

पहुँचकर

- दलमा पहुँचने पर पिण्ड्राबेड़ा में आपको विभागीय ट्रेकर की सुविधा मिल जायेगी। वन्य जीव, प्रकृति दर्शन एवं स्थल से परिचित ये ट्रेकर आपके भ्रमण में सहयोगी तो होंगे ही, जंगल की खतरों का अनुभव होने कारण आपके रक्षक भी साबित होंगे।
- यदि वाहन से घूम रहे हों तो हार्न न बजाएँ। रात या शाम हो तो हेडलाईट बंद न करें और तेज आवाज में बातें तो बिल्कुल न करें।

दलमा अभ्यारण्य

परिचय

स्थानीय निवासियों की आराध्य देवी 'दलमा माई' के नाम पर इस क्षेत्र का नाम दलमा पड़ा । दलमा पर्वत शृंखला अद्‌भुत प्राकृतिक सौन्दर्य की वह अकेली शृंखला है जो व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग के एकदम निकट होते हुए भी, शान्ति एवं भरपूर प्राकृतिक सम्पदा सम्पन्न सम्पूर्ण वन का अनुभव कराती है। 193.22 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली इस शृंखला का आकार चौड़ी फलक वाले चाकू के जैसा है। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 984 मीटर है। जलवायु समशीतोष्ण है एवं मिश्रित साल के वन दलमा की छटा को बढ़ाते हैं। यह पूरा क्षेत्र छोटी बड़ी पहाड़ियों से भरा है एवं समतल स्थान बहुत कम हैं। दलमा आश्रयणी अनेक जल स्रोतों से समृद्ध भी है जो इसके सौन्दर्य में वृद्धि भी करतें हैं। इस आश्रयणी में मुख्य रूप से हाथी, भालू, कोटरा, लोमड़ी, कोटरा, गिलहरी, जंगली सूअर आदि पाये जाते हैं। हाथियों का प्रवास दलमा से पश्चिम बंगाल, कुछ समय के लिए प्रत्येक वर्ष होता है।

इसके एक पार्श्व से झारखण्ड की प्रसिद्ध स्वर्णरेखा नदी बहती है और इसी के किनारे से लम्बाई की ओर ही राष्ट्रीय उच्च पथ - 33 गुजरता है जो राजधानी राँची से निकलकर कोलकाता को जाती है ।

WHAT ARE THE INFORMATION AND WHAT YOU CAN SEE...

Things worth watching :-

☞ Tracking route: A tracking route from NH 33 to Dalma top is marked. The other tracking paths are also gives you an advanturus time.

☞ Hide out and water holes: Many marvelous water holes like Chotka Bandh, Shanka Bandha, Bara Bandh etc. are there. The strong construction of Hide out and watch tower nearby the water sources gives you the closer watch of wild animals playing in water.

☞ Rest Houses: There are several Forest Rest Houses has been situated at Dalma Wildlife Sanctuary. From Pindrabera you can watch the beautiful lights of the steel city Jamshedpur at night. Another FRH has been situated at Mukulkocha.

क्या हैं जानकारियाँ और हम क्या-क्या देखेंगे...

देखने-सुनने की चीजें

- **पर्वतारोहण :** राष्ट्रीय राजमाग से दलमा टॉप तक जाने के लिए एक पर्वतारोहण पथ उपलब्ध है। इसके अलावा भी पर्वत श्रेणी के कई स्थल पर्वतारोहण के लिए उपयुक्त हैं।

- **हाईड आऊट एवं जल स्रोत :** आश्रयणी के विभिन्न जल स्रोतों में शंकर बांध, आदि अति नयनाभिराम जल स्रोत हैं। इन जल स्रोतों पर काफी मजबूत हाईड आऊट बनाये गये हैं जिनसे जल स्रोत में क्रीड़ा करनेवाले वन्य जीवों के अवलोकन का आनन्द उठाया जा सकता है।

- **वन विश्रामागार :** आश्रयणी क्षेत्र में दो वन विश्रामागार उपलब्ध हैं जहाँ से प्रकृति का विहंगम दृश्य देखा जा सकता है। पिण्ड्राबेड़ा मकुलाकोचा में एक बोम्बु हट भी अवस्थित है। पिण्ड्राबेड़ा वन विश्रामागार से लौह नगरी जमशेदपुर का दृश्य रात्रि बेला में अति मनोहारी दिखलाई पड़ता है।

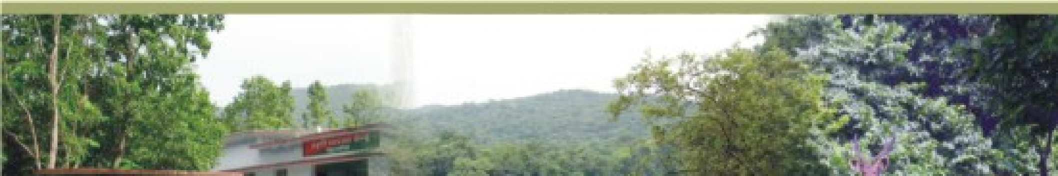

DALMA SANCTUARY

Introduction

Dalma derives its name from the deity Goddess 'Dalma Mai' (Mother) worshipped by local inhabitants. Despite being close to the National Highway, Dalma is the only hill range which encomposses enriched with natural beauty coupled with calm and serene atmosphere, only at a distance of 16 km from ate steel city of Jamshedpur. It is spread over about 193.22 sq. km. area which resembles the shape of a knife. At 984 Mtr. altitude, it has a predominence of sal trees. The terrain is primarily rocky and undulating where plain land is in scarcity. Unbelievable favourable conditions like water sources, abundant flora and suitable habitat provide 70-75 elephants the permanent abode in the sanctuary.

One of the most important rivers of Jharkhand, 'Swarnarekha' passes alongside the Dalma range. In addition the NH-33 which connects Ranchi to Kolkata, moves along the length of Dalma range.

WHAT ARE THE INFORMATION AND WHAT YOU CAN SEE...

Information :-

- If you have a prior reservation then information about the Forest Rest House.
- Information about the trekker facility.
- Information regarding watching of wild animals.
- Information regarding water holes and natural sites.

Things worth watching :-

- A Museum cum nature interpretation center has been established in the sanctuary. You can increase your knowledge about the history of Dalma hillock and its Bio-diversity. Detailed information about the elephants life cycle is specially putted in the museum.
- Deer breeding center.
- Animals available inthe sanctuary at present.
- Dalma Mai and other temples situated on Dalma hill top.

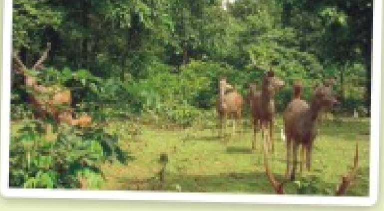

दलमा आश्रयणी- सम्पर्क मार्ग एवं स्थान

निकटस्थ रेलवे स्टेशन - टाटानगर (जमशेदपुर)

निकटस्थ हवाई अड्डा - राँची

सम्पर्क स्थान - वन प्रमण्डल पदाधिकारी वन क्षेत्र पदाधिकारी
वन्य प्राणी प्रमण्डल, राँची, दूरभाष- 2480948 (का०)
वन क्षेत्र पदाधिकारी
दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी, मानगो (जमशेदपुर)

दलमा में पाये जाने वाले मुख्य वन्य प्राणी:-

- हाथी
- भालू
- चिंकारा
- मोर
- खटास या नेवला
- जंगली सूअर
- कोटरा
- लोमडी
- खरगोश
- लरमूषा
- बंदर
- लंगूर

DALMA SANCTUARY– FOR CONTACT

Nearest Railway Station - Tatanagar (Jamshedpur)

Nearest Airport - Ranchi

Contact Place - Divisional Forest Officer
Wildlife Division, Doranda, Ranchi
Phone: 0651-2480948 (O)
Forest Range Officer
Dalma Wildlife Sanctuary, Mango (Jamshedpur)

Main animals found in Dalma:

- Elephant
- Sloth Deer
- Barking Deer
- Peacock
- Giant Squirrel
- Wild Boar
- Mouse Deer
- Indian Fox
- Rabbit
- Mangoos
- Monkey
- Langoor

क्या हैं जानकारियाँ और हम क्या-क्या देखेंगे...

जानकारियाँ

- यदि आपका आरक्षण है तो विश्रामागार की जानकारी
- ट्रेकर सुविधा की जानकारी
- जंगली जानवर देखने के लिए मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी
- प्राकृतिक दृश्यों और जल स्रोतों की जानकारी

देखने-सुनने की चीजें

- संग्रहालय सह प्रकृति इन्टरप्रेटेशन सेन्टर : विभाग की ओर से एक संग्रहालय सह प्रकृति विज्ञान केन्द्र स्थापित किया गया है। इसमें दलमा पर्वत शृंखला के वन का इतिवृत्त एवं जैव-विविधता के साथ साथ विशेषकर हाथियों की उत्पत्ति एवं विकास की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।
- मृग प्रजनन केन्द्र
- आश्रयणी में मिलने वाले वन्य जीव
- दलमा टॉप पर स्थित दलमा माई एवं अन्य मन्दिर

PRECAUTIONARY MEASURES TO BE TAKEN

- If you are on a vehicle then do not use horn and do not switch off the headlights at night. Do not talk in loud voice.
- Smoking is strictly prohibited as its strong smell spreads all over and wild animals may get scared. This may also cause fire in the jungle.
- Flashlight of the cameras should be off as they can surprise the animals and you may lose your adventure.
- Do take care of the cleanliness of the jungle and avoid littering of polythene bags, eatables etc. Apart from avoiding environmental pollution, others will also find the place as clear as you did.
- If you see any animal walking or sitting then do not scream. Out of excitement Watch them calmly and enjoy the fun. If an elephant is crossing the road then follow the instructions of your trekker. First of all stop the vehicle, nobody should come out, do not use the flash or horn, do not scream keep the engine running with your foot on the accelerator. Do not switch off the headlights at night.

बरती जानेवाली सावधनियाँ

- धूम्रपान बिल्कुल न करें, इसकी तीव्र दुर्गंध काफी दूर तक जाती है और वन्य प्राणियों को सावधान कर सकती है। यह जंगल में आग फैलाकर दुर्घटना का कारण भी बन सकती है।

- कैमरा चलाते समय फ्लैश ऑफ रखें, यह वन्य प्राणियों को चौंका कर आपके आनन्द में व्यवधान पैदा कर सकता है।

- भ्रमण तथा प्रकृति दर्शन के आनन्ददायक क्षणों में अक्सर हम पॉलिथिन, छिलके, जूठन आदि उसी जगह पर फेंक देते हैं। इन बातों से बचना श्रेयस्कर होगा ताकि आपके बाद आनेवाले आपके किसी मित्र अथवा परिजन को भी यह स्थान उतना ही स्वच्छ और पवित्र मिले जैसा कि आपने पाया है।

- यदि भ्रमण के बीच आपके दृष्टिपथ में वन्य जीव टहलते या चरते हुए या बैठे हुए मिल जांय तो शान्तिपूर्वक उनका अवलोकन करें, आनन्दातिरेक में चीखें नहीं। यदि हाथी सड़क पार कर रहे हों तो ट्रेकर के निर्देशों का पालन करें। पहले गाड़ी रोकें, लेकिन गाड़ी से बाहर हरगिज न निकलें, फ्लैश न चमकायें, हार्न न बजायें, शोर न करें और गाड़ी को न्यूट्रल में रखते हुए एक्सलरेट करते रहें। यदि रात का समय हो तो हेडलाईट जलाये रखें।

नक्शे की नजर मे दलमा

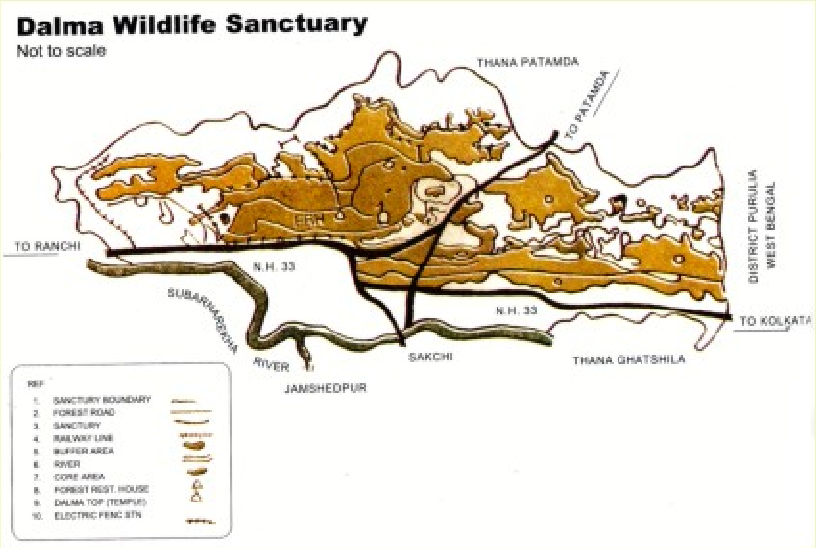

झारखण्ड सरकार

Department of Forests & Environment
Government of Jharkhand